बर्षः- 06
अंकः- 69
मुरादाबाद
(Monday)
29 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सेशेल्स ने दी पीएम मोदी को गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन की उपाधि

समुद्र से लेकर आकाश तक हमारा भारत सुरक्षित और आत्मनिर्भर, मन की बात में बोले पीएम मोदी

सेशेल्स के गोल्डन जुबिली नेशनल डे समारोह में शामिल होने राजधानी विक्टोरिया पहुंचे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्टेट हाउस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद सेशेल्स ने पीएम मोदी को गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन उपाधि दी।सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य राजकीय स्वागत किया गया। स्टेट हाउस में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जहां सेशेल्स के

राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी भी मौजूद रहे। इसके साथ ही सेशेल्स ने पीएम मोदी को गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन उपाधि दी। गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन% का मतलब है नीले क्षितिज का संरक्षक। यह एक विशेष सम्मानजनक उपाधि है, जो उन नेताओं या व्यक्तियों को दी जाती है जिन्होंने समुद्र, समुद्री पर्यावरण, जलवायु संरक्षण और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। सेशेल्स जैसे द्वीपीय देश के लिए महासागर उसकी जीवनरेखा हैं, इसलिए यह सम्मान उसके लिए बेहद खास माना जाता है।सेशेल्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह उपाधि समुद्री पर्यावरण संरक्षण, ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने, हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सहयोग मजबूत करने तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े वैश्विक प्रयासों में भारत की सक्रिय भूमिका के सम्मान में प्रदान की है। यह सम्मान दोनों देशों के मजबूत संबंधों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति साझा प्रतिबद्धता का भी प्रतीक माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने की द्विपक्षीय वार्ता-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-सेशेल्स संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं की व्यापक समीक्षा की और आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। तीन दिन की यात्रा पर शनिवार को सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति हर्मिनी ने स्टेट हाउस में औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच उच्चस्तरीय वार्ता भी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात के 135वें एपिसोड के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम आकाशवाणी, दूरदर्शन, और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हुआ। मन की बात प्रधानमंत्री और जनता के बीच सीधा संवाद का माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड के जरिए एक बार फिर देश और दुनिया भर में बसे भारतीयों से संवाद कर रहे हैं। सुबह 11 बजे प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर लोगों में खास उत्साह है। %मन की बात% पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री और आम जनता के बीच सीधे संवाद का एक अहम माध्यम बन चुका है।

कौन सी उपलब्धियों ने हर देशवासी को किया गौरवान्वित?
पीएम मोदी ने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि इस महीने भारत ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर हर देशवासी को गर्व है। हाल ही में मुझे कोलकाता में नौसेना से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। वहां आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौ-सेना के बेड़े में शामिल किया गया। इन जहाजों की डिजाइन और उत्पादन तक,सब कुछ स्वदेशी है।

पीएम मोदी ने आगे कहा जून के महीने में ही एविएशन में भी देश ने एक बड़ी सफलता पाई। सी-295, ये विमान मेड इन इंडिया है और सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान पूरी की है, और ऐसे 40 विमान, भारत में ही बनाए जा रहे हैं। इससे एमएमएमई और एयरोस्पेस सेक्टर को नई शक्ति मिल रही है। रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सफलताएं देश की आत्मनिर्भर भारत की यात्रा को और मजबूत करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और देश के नागरिकों की मेहनत तथा नवाचार इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि देश की उपलब्धियां केवल सरकार की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं, जो भारत को तेजी से विकास की नई दिशा में आगे बढ़ा रही हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने एक बार फिर पूरी दुनिया को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बताया कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जबकि भारत में करोड़ों लोगों ने योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैंपियनशिप का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने इस प्रतियोगिता में कुल 114 पदक जीते, जिनमें 102 स्वर्ण पदक शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादुरपुरा गांव के पेठकर परिवार की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि इस परिवार ने अपने घर में शादी के अवसर पर खुशियां बांटने का अनोखा फैसला लिया। परिवार ने गांव के करीब साढ़े तीन हजार लोगों के लिए दुर्घटना बीमा की व्यवस्था की। हर व्यक्ति को एक लाख रुपये का बीमा कवर दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहल समाज के लिए प्रेरणादायक है, क्योंकि इससे जरूरत के समय किसी परिवार को आर्थिक सहारा मिल सकता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सस्ती बीमा योजनाएं देश के करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के हर वर्ग तक सुरक्षा का कवच पहुंचाना है। पीएम मोदी ने बताया कि %प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना% के तहत केवल 20 रुपये के सालाना प्रीमियम पर दो लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि अब तक इस योजना से 58 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं, जो इसकी व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिवार को दो लाख रुपये का बीमा कवर मिलता है। इस योजना का वार्षिक प्रीमियम केवल 436 रुपये है, यानी प्रतिदिन लगभग डेढ़ रुपये। पीएम मोदी ने बताया कि इस योजना से अब तक 27 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं जरूरत के समय परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने किया खुलासा: प्रणब मुखर्जी मानते थे, 2014 में मोदी की लोकप्रियता ने भाजपा को दिलाया बहुमत

2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत को लेकर तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का मानना था कि यह जनादेश मुख्य रूप से नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता से जुड़ा था, जिसे उन्होंने मोदी से हुई मुलाकात में भी व्यक्त किया था। यह खुलासा पूर्व राष्ट्रपति की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने किया।भाजपा ने 2014 का लोकसभा चुनाव जीतकर जब पहली बार भारी बहुमत के साथ सरकार बनाई तब राष्ट्रपति रहे प्रणब मुखर्जी का मानना था कि पार्टी को यह जनादेश नरेंद्र मोदी की लोकप्रिय छवि की वजह से मिला है। वह पद संभालने के बाद उनसे मिलने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे। यह खुलासा प्रणब मुखर्जी की बेटी और उनकी विरासत को आगे बढ़ा रही शर्मिष्ठा मुखर्जी ने एक लेख में किया है। शर्मिष्ठा ने लिखा, जब चुनाव नतीजे आ गए, तो मोदी जी बाबा से मिलने राष्ट्रपति भवन पहुंचे। इस दौरान बाबा ने उनसे पूछा कि इस चुनाव को लेकर उनका खुद का आकलन क्या कहता है? मोदी जी ने बोला-तीन दशक बाद देश में किसी राजनीतिक दल को पूर्ण बहुमत मिला है। इस पर बाबा ने अपने प्रोफेसर वाले अंदाज में मुस्कुराते हुए पूछा-और क्या? मोदी जी चुप रहे, तब बाबा ने ध्यान दिलाया कि 2014 का चुनाव लोकसभा के इतिहास में बेहद अनोखा रहा क्योंकि इसमें पहली बार प्रधानमंत्री पद के लिए एकदम नए चेहरे को पहले से ही दावेदार घोषित किया गया था।

VB G RAM G कानून राज्यों पर डालेगा करोड़ों का अतिरिक्त बोझ? कांग्रेस ने सरकार को घेरा, उठाए कई सवाल

केंद्र सरकार के नए वीबी जी राम जी कानून को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि कई राज्यों ने इस योजना पर चिंता जताई है। पार्टी का आरोप है कि नया कानून राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगा और ग्रामीण मजदूरों के अधिकार कमजोर करेगा। सरकार एक जुलाई से इस कानून को लागू करने जा रही है, जो मनरेगा की जगह लेगा।केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 1 जुलाई से लागू किए जा रहे %विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम% को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने नए कानून को लेकर मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि नया कानून ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करेगा और राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगा। कांग्रेस ने दावा किया कि कई राज्यों ने भी इस नए कानून को लेकर चिंता जताई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने बिना व्यापक चर्चा और पर्याप्त परामर्श के मनरेगा को समाप्त करने का फैसला लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य

हितधारकों से इस विषय पर गंभीर चर्चा नहीं की गई। जयराम रमेश ने कहा कि अब जब एक जुलाई से नया कानून लागू होने जा रहा है, तब कई राज्यों ने इसके विभिन्न प्रावधानों पर आपत्ति जताई है।जयराम रमेश के अनुसार, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने इस योजना के तहत राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त खर्च को लेकर चिंता व्यक्त की है। उनका दावा है कि इन राज्यों ने कहा है कि नए कानून से राज्य सरकारों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है। कांग्रेस ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह राज्य मध्य प्रदेश ने भी इस योजना को लेकर सवाल उठाए हैं।कांग्रेस का दावा है कि चार राज्य सरकारों ने योजना में कृषि के चरम सीजन के दौरान प्रस्तावित %ब्लैकआउट अवधि% का विरोध किया है। पार्टी का कहना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में काम और मजदूरी पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग भी की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नए कानून से ग्रामीण श्रमिकों की मोलभाव करने की क्षमता कमजोर होगी। क्या है नया वीबी जी राम जी कानून?- केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि %विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम% 1 जुलाई से पूरे देश में लागू होगा। यह दो दशक पुराने मनरेगा की जगह लेगा। नए कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के वैधानिक मजदूरी रोजगार का प्रावधान किया गया है। हालांकि कांग्रेस का कहना है कि मनरेगा संविधान से प्राप्त काम के अधिकार की गारंटी देता था, जबकि नया कानून केवल केंद्रीकरण और राज्यों पर वित्तीय दबाव बढ़ाने का काम करेगा।

सीएम योगी दहाड़े, बोले-अयोध्या को रामभक्तों ने संवारा, अखिलेश में मथुरा पर बोलने की हिम्मत नहीं

हाथरस में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने जहां एक ओर डबल इंजन की सरकार में विकास की तारीफ की, वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। सीएम ने अखिलेश यादव आरोप लगाया कि आपमें हिम्मत नहीं है, क्योंकि आप मुल्ला और मौलवियों के आगे घुटने टेकते हैं। सपा के पास अयोध्या, मथुरा या प्रदेश के विकास को लेकर कोई स्पष्ट एजेंडा नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हाथरस में करीब 548 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विकास, कानून-व्यवस्था, किसानों के कल्याण, औद्योगिक विकास, धार्मिक स्थलों, केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के साथ-साथ समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। करीब एक घंटे के संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को दंगामुक्त, माफिया मुक्त और विकास की नई राह पर आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत ब्रज की पावन भूमि हाथरस को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि हाथरस स्वतंत्रता आंदोलन में अपने योगदान, वीरता, काका हाथरसी की साहित्यिक विरासत और देशभर में प्रसिद्ध हींग की खुशबू के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पावन धरती को वह नमन करते हैं और हाथरस की जनता का अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज हाथरस, सिकंदराराऊ और सादाबाद तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए करीब 550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी जा रही है। उन्होंने इसके लिए जिले की जनता और जनप्रतिनिधियों को बधाई दी।सुरक्षा होगी तभी विकास

होगा%- मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास केवल वहीं संभव है, जहां कानून-व्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने कहा कि जहां दंगे, गुंडागर्दी और अराजकता होती है, वहां विकास और उज्ज्वल भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश का शायद ही कोई जिला रहा होगा, जो दंगों से अछूता रहा हो। उन्होंने मथुरा के जवाहर बाग, कोसीकलां, मेरठ, अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय आए दिन कर्फ्यू लगते थे। इससे व्यापार चौपट होता था, नौजवानों की नौकरियां प्रभावित होती थीं और प्रदेश की छवि खराब होती थी। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में न कोई दंगा हुआ, न कर्फ्यू लगा और न ही गुंडागर्दी होने दी गई।मोहर्रम का भी किया जिक्र मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रदेश में लगभग 12 हजार मोहर्रम जुलूस निकले, लेकिन कहीं भी दंगा, पथराव या कर्फ्यू जैसी स्थिति नहीं बनी। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट व्यवस्था बनाई है कि ताजिए के नाम पर किसी गरीब का घर नहीं हटेगा, किसी मकान का छज्जा नहीं तोड़ा जाएगा और न ही हाईटेंशन बिजली लाइन हटाई जाएगी। जरूरत पड़ने पर ताजिए की ऊंचाई कम करनी होगी, लेकिन आम जनता की सुरक्षा और सुविधाओं से समझौता नहीं होगा। किसानों के लिए योजनाओं का उल्लेख- मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रोसेसिंग सेंटर और कोल्ड स्टोरेज जैसी सुविधाएं विकसित कर रही है। उन्होंने बताया कि आगरा में इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर और वाराणसी में इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापित किए गए हैं, ताकि किसानों को समय पर उन्नत बीज मिल सकें और कम लागत में अधिक उत्पादन हो। उन्होंने कहा कि आलू किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। डबल इंजन सरकार की योजनाएं गिनाईं- योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार बिना किसी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के भेदभाव के सभी पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों को मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान, हर घर शौचालय और उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए हैं।

संपादकीय Editorial

Repeal the Anti-Defection Law

MPs from the Aam Aadmi Party (AAP), the Trinamool Congress, and the Shiv Sena (Uddhav Thackeray) have defected. Seven AAP MPs were Rajya Sabha MPs, but bids for three Lok Sabha MPs have not yet been finalized. Twenty-six Lok Sabha MPs from the Trinamool and Uddhav Thackeray-led Shiv Sena have been poached—that is, sold. BJP spokespersons should not pretend to portray the party as innocent and neutral, as MPs are being poached in the wake of its unannounced "Operation Two-Thirds." Otherwise, what have BJP Union Ministers and Chief Ministers been doing at the rebels' meetings? Is it just tea and snacks every day? In any case, the Shiv Sena (Uddhav Thackeray-led) "sellable MPs" have merged with Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde's Shiv Sena. Home Minister Amit Shah now considers it the "real Shiv Sena." He is quite right, as the Election Commission has recognized it as the "real Shiv Sena" and has also assigned it the election symbol. The Election Commission is a competent and empowered constitutional body. Similarly, the NCP founded by Sharad Pawar is now under the control of his nephew Ajit Pawar (now deceased). He is recognized as the "real NCP" and has been allotted the election symbol. However, both matters are currently pending in the Supreme Court. Within the Trinamool Congress, 60-65 rebel MLAs have collectively removed Mamata Banerjee from the post of president and elected Arup Roy as the new president. Some vice presidents and general secretaries have also been appointed. A new executive seems certain. After that, the Election Commission will be approached. With Home Minister Amit Shah's "blessing," the Commission will declare it the "real Trinamool." The Home Minister is determined not to breathe a sigh of relief until Mamata's Trinamool is "destroyed." Twenty rebel Trinamool Lok Sabha MPs have merged with the "National Citizens Party of India," an obscure, MLA- and MP-less dwarf party. Their proposal is currently under consideration by Speaker Om Birla. The BJP is also wooing the DMK, Tamil Nadu's dominant party, as it has 22 MPs in the Lok Sabha. Of course, its government in the state has been defeated. It still has to "buy" smaller parties with only one or two MPs. These defections aren't just the result of internal discontent and rebellion against the leadership, but also the result of MPs being poached. The anti-defection law enacted through the 52nd and 91st Constitutional Amendments provided for the defection of one-third or two-thirds of MPs and MLAs. Now, this law is proving to be merely a formality, as public representatives are being bought and sold. So, why is this law needed? Let it remain as it was before 1985 and 2003. MPs and MLAs should be given legal freedom to defect. Hey, the open market is the punishment, let the bids be made. Why should we care about democracy, the Constitution, and morality? Major democratic countries like the United States, Britain, Canada, Australia, New Zealand, and South Africa do not have anti-defection laws. Yet, defections there do not occur on the scale that has occurred in India. Political and electoral discipline is crucial for them. In this context, as a citizen of our country, we suggest that the anti-defection law be repealed. However, Prime Minister Modi will not accept this suggestion because he needs a constitutional cover to facilitate defections. Defections have a long tradition in India, and political parties have been splitting and forming new parties since before and immediately after independence. The Congress party broke up, and in 1948, Acharya Kripalani split from the Congress Socialist Party to form the Kisan Mazdoor Praja Party. There are many other examples. Now, defections are even more frequent than before.

Walking on the sidewalk is a fundamental right: Hopes for a reduction in road accidents

The Supreme Court has gone a step further and ordered that along with vehicular movement, safe walking on the sidewalk should be prioritized. This is a fundamental right, and regulatory bodies should be established to protect it. Everyone from the local administration to the Ministry of Transport should be made parties. By ordering the Law Commission to participate in this matter, the Supreme Court has paved the way for a hearing that can ensure safety for pedestrians on footpaths and ensure their rights, beyond the Motor Vehicles Act. Despite existing road safety laws, accidents in the country have increased, as have the death toll. Four times more people are injured (disabled and disabled) annually than the number of deaths. Occupation of footpaths, which the Supreme Court has recognized as a fundamental right under Articles 21 and 19(1)D, is common. At the municipal, local, state, or central levels, most cases of encroachment, let alone on footpaths, are ignored.

Traffic police often find opportunities in encroachments, sometimes adopting a lenient approach, sometimes a strict one. Enforcement of the law becomes a means of extortion. This is why road safety issues have resonated from the streets to Parliament to the Supreme Court, but the ground situation remains unchanged. Road Safety Fortnight is celebrated, but these efforts remain merely formalities. According to National Crime Records Bureau (NCRB) data, 1.75 lakh people lost their lives in road accidents in 2024 alone. Of these, 25,769 were pedestrians. The number of two-wheeler victims is even higher. Despite road safety laws, deaths occur due to rash driving, excessive speeding, reckless driving, drunk driving, talking on mobile phones while driving, competition for speed and overtaking, health care indifference, road rage, and parking disputes. Uttar Pradesh, Tamil Nadu, Jharkhand, Madhya Pradesh, Bengal, Bihar, and Odisha are among the most careless states regarding road accidents.

If we study NCRB road accident death data year-by-year and calculate the average, approximately 546 people die in road accidents every day in the country. More than 56 accidents occur every hour. Pedestrians account for a quarter of all accident deaths. Even in Delhi, the capital of the country, where red lights, pedestrian crossings, zebra crossings, and overpasses are more organized than in other cities, and the traffic system is feared, 147 people died in accidents while crossing roads on foot or on footpaths in 2024 alone. Road quality is also a cause of concern. Potholes on even the best and widest roads prove to be death traps. The disorganized arrangements for the convenience of local residents at highway crossings and toll booths connecting rural areas also contribute to accidents. China fares better in terms of road conditions, with a very low accident rate of just 4.3 percent, compared to 11.89 percent in India and 12.76 percent in the United States. When the issue of road accidents was raised in Parliament during the budget session, Union Transport Minister Nitin Gadkari, responding to a discussion, announced a major initiative. Although there are already provisions for punishment and fines for drivers who fail to help the injured in road accidents, many deaths occur due to lack of timely medical attention. Often, those who help the injured face police and legal hassles, so even on humanitarian grounds, no one bothered to help the injured during accidents. Now, the Central Government has launched the Raah Veer Scheme. According to the government's announcement and provision, anyone who helps or saves the lives of those injured in road accidents will not only be declared a Raah Veer and honored, but will also receive a reward of 25,000 rupees. Although there is no official data on how many people have been declared Raah Veer or rewarded since this announcement, it is certain that incidents and stories of humanitarian life-saving actions are beginning to emerge. Amidst the fundamental right to pedestrianism, the Bandra Bakery hit-and-run case (September 28, 2002) involving Salman Khan is noteworthy, in which Salman was acquitted because the person who died was sleeping on the footpath. Salman received relief based on the distinction between the right to sleep on the sidewalk and the right to walk. However, when Sanjeev Nanda ran over six people on the sidewalk in Delhi on January 10, 1999, he initially received relief from the trial court, but Nanda was convicted during the appeal. Now, when the Supreme Court has cracked down on the fundamental right to walk, It's natural to feel hopeful. The Supreme Court has taken a commendable initiative to hold local and central authorities accountable for protecting pedestrians' fundamental rights, as well as to fix responsibility. Consequently, it's hoped this order will resonate in the future. We can hope that once regulators are established following the Supreme Court's strictness, pedestrians will have a safer path on the footpath in the future. Following the Supreme Court's strictness, encroachments on the footpath will be removed, opening new avenues.

A time of challenges and opportunities

Great nations progress not only by facing crises but also by seizing them. India faces such an opportunity today. Rising wholesale inflation is a cause for concern, with potential impact on retail. Low oil prices present opportunities for external sector and energy self-sufficiency. Fiscal discipline and strategic reserve building will enhance economic strength. The Indian economy is currently at a juncture that presents both challenges and opportunities. While retail inflation remains below the Reserve Bank's target, wholesale inflation has seen a sharp increase. Following the recent easing of geopolitical tensions, the rupee has strengthened again, the country's foreign exchange reserves are strong, and India remains the fastest-growing major economy. This picture is reassuring, but it also conceals some important signals that cannot be ignored. The most important indicator is the widening gap between wholesale and retail inflation. Recently, wholesale inflation has risen sharply, while retail inflation has remained relatively controlled. This situation does not last long. The burden of rising production costs ultimately reaches consumers. Therefore, the pressures facing industries and producers today could also impact the pockets of ordinary consumers in the future. Wholesale inflation primarily reflects the costs faced by producers. When energy, transportation, imported raw materials, and manufacturing costs rise, companies initially absorb some of the burden by cutting their profits, but if cost pressures persist, they eventually have to increase prices. It would be unfair to consider the recent spike in wholesale inflation merely a temporary phenomenon. Energy costs are a major reason for this increase. Volatility in the global oil market directly impacts our economy. High fuel and electricity prices have increased production costs. On the positive side, the easing of tensions in West Asia has led to a softening of global oil prices. For oil-importing countries like India, this is both a relief and an important strategic opportunity. Low oil prices are often mistaken for an opportunity to incur additional spending, but this approach is not shortsighted. Market fluctuations are not permanent. It is wise to use favorable conditions to strengthen economic foundations. First, the benefits of lower oil prices should be used to strengthen the external sector. When the oil import bill decreases, the current account balance improves. This opportunity can be used to further strengthen foreign exchange reserves. Strong reserves not only symbolize economic strength but also provide a buffer against future global shocks. Second, this is the opportune time to rapidly advance towards energy self-sufficiency. Over the past decade, India has taken major steps to promote renewable energy, electric mobility, and domestic manufacturing. Each new advancement in solar energy, green hydrogen, and electric vehicles will reduce India's dependence on imported energy. This is both a matter of environmental protection and economic security. Third, lower energy costs have also brought opportunities for India's export sector. Reducing transportation costs can make Indian products more competitive in the global market. The goal should be to increase exports and sustainably consolidate global market share. This is also a favorable time to attract investment in energy-intensive manufacturing sectors. Good infrastructure, a large domestic market, production-based incentive schemes, and relatively low energy costs make India an attractive option for global investors. If policy stability and reform momentum are maintained, India can further strengthen its role in global supply chains. However, these opportunities can only be fully capitalized upon if fiscal discipline is maintained. While falling oil prices pressure governments to increase additional spending, it is in long-term economic interests to use these savings to increase capital investment, reduce fiscal deficits, and build strategic reserves. In recent years, India has made fiscal credibility a major strength. This has boosted investor confidence, reduced borrowing costs, and stabilized the rupee. Maintaining this achievement is crucial. Our economy is still vulnerable to factors like monsoons. Poor rainfall can lead to increased food inflation. Therefore, it is essential to maintain food reserves and supply chains. True economic leadership lies not in reacting after a crisis, but in preparing before one occurs. Oil prices could rise again, global supply chains could be disrupted again, and capital flows could become more volatile. Great nations thrive not by facing crises but by seizing opportunities. India faces such an opportunity today.

साथ चलने की जिद करता था दो साल का मासूम, इसलिए मां ने मार डाला, किलर मां का कबूलनामा सुन पुलिस भी चौंकी

मुरादाबाद में दो साल के मासूम वरुण की हत्या का चौंकाने वाला खुलासा हुआ। हत्या किसी ओर ने नहीं बल्कि मां ने ही की थी। मासूम साथ चलने की जिद करता था, मां साथ नहीं लेकर जाना चाहती थी। इसी कारण मां ने गला घोंटकर मासूम को मार डाला।मुरादाबाद के मूंढापांडे में जिस दो साल के वरुण की मौत बीमारी से होना बताई जा रही थी, वह हत्या निकली। हत्या भी किसी और ने नहीं, उसकी मां मीनू ने की। पुलिस पूछताछ में मीनू ने बताया कि उसके कहीं आने-जाने में वरुण बाधक बनता था। साथ चलने की जिद करता था। इसलिए गुस्से में आकर गला घोंट दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए मीनू को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस उसके प्रेमी की भी सीडीआर जांच रही है। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के सहरिया गांव निवासी ट्रक चालक सुरेंद्र की शादी 13 साल पहले हरिद्वार निवासी मीनू से हुई थी। दंपती के दो बेटियां सलोनी, रोहिणी और दो बेटे अरुण-वरुण हैं।वर्तमान में सुरेंद्र मुंबई में ट्रक चलाता है। सुरेंद्र के बड़े भाई विजेंद्र ने बताया कि मीनू करीब ढाई माह पहले अपने चारों बच्चों को लेकर सहरिया से मूंढापांडे आ गई थी। वह किराये के कमरे में रह रही थी। करीब 15 दिन पहले उसने कमरा बदल लिया।ताऊ विजेंद्र का कहना है कि उनको बृहस्पतिवार की शाम वरुण की मौत की जानकारी मिली। विजेंद्र और उनकी मां शिवदेई मूंढापांडे अस्पताल पहुंचे तो देखा कि बच्चे के गले पर निशान हैं। पोस्टमार्टम से पता चला कि बच्चे की गला दबाकर हत्या की गई है। पुलिस ने मां मीनू के खिलाफ खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली। ताऊ ने आरोप लगाया कि मीनू ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की है। किराये पर कमरा लेकर रहती थी आरोपी- वहीं मीनू का कहना था कि बच्चे को खून की उल्टियां हो रही थीं। इससे उसकी मौत हो गई। उसका यह भी कहना है कि पति शराब पीकर आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। हरकतों से तंग आकर वह किराये का कमरा लेकर रहने लगी। आजीविका के लिए वह एक फैक्टरी में काम करती है। कहीं आने-जाने में बाधक बनता था बेटा- एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मीनू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि बेटे वरुण को बृहस्पतिवार की सुबह ही नाड़े से गला कसकर मार डाला था। उसने बताया कि वरुण उसके कहीं आने-जाने में बाधक बनता था। साथ चलने की जिद करता था। इसी कारण गुस्से में आकर ऐसा कदम उठा लिया। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस मीनू के प्रेमी (लाइनमैन) की सीडीआर खंगाल रही है। आशंका है कि मीनू ने अपने प्रेमी की सहमति पर बेटे की हत्या की है। विवेचना के बाद प्रेमी भी अभियुक्त बनाया जाएगा।

कुल्हाड़ी से पति ने काट डाला, पोस्टमार्टम को लेकर हुआ ड्रामा, पुलिस से धक्का-मुक्की, सिपाही की वर्दी फटी

यूपी के अमोरहा जिले में घरेलू कलह में सिर में कुल्हाड़ी मारकर पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पोस्टमार्टम कराने को लेकर हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। सिपाही की वर्दी फट गई।उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। अमरोहा के रहरा थाना इलाके के गांव पौरारा में शनिवार रात मामूली घरेलू विवाद में पति ने अपनी पत्नी उर्मिला (60) की कुल्हाड़ी से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात के बाद शव का पोस्टमार्टम कराने को लेकर परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी की, जिसमें एक सिपाही की वर्दी फट गई। रहरा थाने के कार्यवाहक थाना प्रभारी संदीप पवार ने बताया कि मजदूर रामफल सिंह के सात बच्चे हैं। रामफल और उसकी पत्नी उर्मिला (60) के बीच आए दिन घरेलू बातों को लेकर झगड़ा होता रहता था। शनिवार रात करीब 10 बजे दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ।आरोप है कि तैश में आकर रामफल ने उर्मिला के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल उर्मिला को उसके बेटे आनन-फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहरा लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटों ने किया विरोध- अस्पताल से मिली सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने लगी, इस पर मृतका के दो बेटों ने विरोध किया। पुलिस ने समझाया कि मामला हत्या का है और कानूनी कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम जरूरी है, लेकिन परिजन शव न ले जाने देने पर अड़ गए।धक्का-मुक्की में सिपाही की वर्दी भी फटी- इस दौरान तीखी बहस के बाद परिजनों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की, जिससे एक सिपाही की वर्दी भी फट गई। हंगामे के बीच, मृतका के भाई बदायूं के थाना सहसवान के गांव मचोना की मड़ैया निवासी महावीर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति रामफल के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली।सीओ पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी रामफल को गिरफ्तार कर लिया है।

365 करोड़ की परियोजनाओं का होगा लोकार्पण-शिलान्यास, जनसभा की तैयारी में जुटा प्रशासन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार यानी (29 जून) को मुरादाबाद दौरे पर आएंगे। वह बुद्धि विहार में जनसभा को संबोधित करने के साथ हरदासपुर स्थित निर्माणाधीन गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वह जिले की 365.50 करोड़ रुपये की 63 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मुरादाबाद आएंगे। वह जिले को 365.50 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसमें 13.15 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और 229.35 करोड़ का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री बुद्धि विहार के मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही निर्माणाधीन गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का निरीक्षण भी करेंगे। सीएम के कार्यक्रम की तैयारी में प्रशासन जुट गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 29 जून को दोपहर एक बजे मुरादाबाद पहुंचेंगे। अभी उनका मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है लेकिन जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। अभी तक तय प्रस्तावित कार्यक्रम के मुताबिक मुख्यमंत्री मुरादाबाद में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए बुद्धि विहार के मैदान में पंडाल तैयार किया जा रहा है। पंडाल को वाटर प्रूफ बनाया जा रहा है। सभा स्थल की आसपास की सड़कों को भी दुरुस्त कराया गया है। सीएम योगी जनसभा के अलावा हरदासपुर में निर्माणाधीन गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय भी जाएंगे। जहां विश्वविद्यालय का निरीक्षण करेंगे। सीएम के निरीक्षण के लिए तीन ब्लॉक को तैयार किया जा रहा है। यहां भी तैयारी अंतिम चरण में है। अपने दौरे पर सीएम जिले की 365.50 करोड़ की 63 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। इसमें नगर विधानसभा क्षेत्र की 237.88 करोड़, कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र की 105.74 करोड़ और मुरादाबाद देहात विधानसभा क्षेत्र की 21.88 करोड़ की परियोजनाएं शामिल हैं। बुद्धि विहार में बने वॉर मेमोरियल का करेंगे लोकार्पण- मुरादाबाद जिले के प्रस्तावित दौरे पर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुद्धि विहार में बनकर तैयार वॉर मेमोरियल देखेंगे। वह श्रीराम वाटिका भी जाएंगे। सीएम वॉर मेमोरियल, श्रीराम वाटिका के साथ सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर का लोकार्पण करेंगे। बुद्धि विहार फेज-दो में वॉर मेमोरियल का निर्माण कराया गया है। इसका उद्घाटन होना बाकी है। ऐसे ही यहीं श्रीराम वाटिका भी बनी है। इसके अलावा नगर निगम की ओर से बुजुर्गों की देखभाल के लिए सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर भी बनाया गया है। सोमवार को जिले के दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वॉर मेमोरियल, श्रीराम वाटिका और डे केयर सेंटर का लोकार्पण करेंगे। अभी तक कार्यक्रम के मुताबिक सीएम योगी वॉर मेमोरियल देखने भी जाएंगे। श्रीराम वाटिका को भी देखेंगे। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने बताया कि सीएम के दौरे को लेकर तैयारी चल रही है। सीएम वॉर मेमोरियल और श्रीराम वाटिका देखेंगे। विधानसभा क्षेत्र वार लोकार्पण (परियोजनाएं) लागत शिलान्यास (परियोजनाएं) लागत कुंदरकी 1 9 परियोजनाएं 39.60 करोड़ रुपये 18 परियोजनाएं 66.14 करोड़ रुपये मुरादाबाद नगर 13 परियोजनाएं 84.06 करोड़ रुपये 1 1 परियोजनाएं 153.82 करोड़ रुपये मुरादाबाद देहात 04 परियोजनाएं 12.49 करोड़ रुपये 08 परियोजनाएं 9.39 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री 29 जून को मुरादाबाद आएंगे। करीब 365.50 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। फाइनल कार्यक्रम अभी आना बाकी है। - डॉ. राजेंद्र पैंसिया, डीएम जनसभा को सफल बनाने में जुटी भाजपा, सौंपी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 29 जून को प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा महानगर की ओर से पार्टी कार्यालय पर शनिवार को बैठक आयोजित की गई। जिसमें पदाधिकारियों ने जनसभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए मंथन किया। साथ ही पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। मंडलों से कार्यकर्ताओं के आने के लिए टेंपो और बसों का इंतजाम किया जाएगा। क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क अभियान की जिम्मेदारियां सौंपते हुए अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया। जनसभा कार्यक्रम संयोजक एवं नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक व्यापक जनसंपर्क कर अधिकाधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने कहा कि पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया जाएगा। नवदीप टंडन, अर्चित गुप्ता, भरत टंडन, कपिल गुप्ता आदि मौजूद रहे। तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप- मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह और जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के नेतृत्व में हुई समीक्षा बैठक में हर एक बिंदु पर बारीकी से चर्चा की गई। एसएसपी सतपाल अंतिल ने सुरक्षा का खाका खींचा, जबकि सीडीओ ने विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास से जुड़ी सभी फाइलों और व्यवस्थाओं को परखा। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि 29 जून के कार्यक्रम में किसी भी स्तर पर कोई प्रशासनिक या सुरक्षा संबंधी चूक नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण - मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर शनिवार को मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया, एसएसपी सतपाल अंतिल, उपाध्यक्ष एमडीए अनुभव सिंह और सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

संक्षिप्त समाचार

CM योगी के संभावित दौरे से प्रशासन अलर्ट, सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 30 जून को संभावित रामपुर दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और विकास कार्यों की तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।जिला प्रशासन की ओर से सभी जिला स्तरीय अधिकारियों, उपजिलाधिकारियों (एसडीएम), तहसील स्तरीय अधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ), लेखपालों, ग्राम सचिवों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अग्रिम आदेश तक मुख्यालय न छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में अवकाश पर चल रहे या मुख्यालय से बाहर मौजूद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त माना जाएगा। उन्हें तत्काल मुख्यालय पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करना होगा। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण से जुड़ी सभी तैयारियां, सुरक्षा व्यवस्था और सौंपे गए दायित्व पूरी गंभीरता, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ पूरे किए जाएं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही, शिथिलता या आदेशों की अवहेलना पाई गई तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ई रजिस्ट्री को लेकर अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन तेज

रामपुर। ई रजिस्ट्री को लेकर शनिवार को भी जिले की तहसीलों में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान ई रजिस्ट्री के फैसले को रद्द किए जाने की मांग की। साफ किया गया है कि यदि जल्द ही इस फैसले को वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन किया जाएगा। ई रजिस्ट्री को लेकर शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन हुए। शनिवार को तहसील सदर में भी अधिवक्ताओं, स्टांप विक्रेताओं ने सब रजिस्ट्रार दफ्तर के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की। इसके बाद साफ किया कि उनका आंदोलन जारी रहेगा। किसी भी तरह का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि ई रजिस्ट्री से लोगों को दिक्कत होगी। उन्होंने इसको वापस लेने की मांग की। इस मौके पर भरत पुठिया, राजकुमार, प्रदीप सक्सेना, दिलीप सक्सेना समेत अन्य मौजूद रहे।

वकीलों ने आठवें दिन भी दिया धरना

बिलासपुर। ई पंजीकरण के विरोध में बिलासपुर लॉयर्स वेलफेयर एसोसिएशन, बार एसोसिएशन, एडवोकेटस एसोसिएशन, स्टांप बैंडर, दस्तावेज लेखक आदि ने शनिवार को आठवें दिन भी तहसील में हड़ताल बरकरार रखी। सभी ने तहसील में जुलूस निकालकर पूरे दिन सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। रामपुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्ठू ने पहुंचकर वकीलों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ई पंजीकरण व्यवस्था निरस्त न होने तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने सरकार पर अधिवक्ताओं का हनन करने का आरोप भी लगाया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

DIG के निर्देशन में व्यापारी हत्याकांड का 1.50 लाख का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर, हथियारों का जखीरा बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा /बरेली। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस का ताबड़तोड़ अभियान जारी है। बरेली परिक्षेत्र के डीआईजी अजय कुमार साहनी के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के दौरान पीलीभीत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

पीलीभीत के थाना बिलसंडा क्षेत्र में व्यापारी पप्पू गुप्ता हत्याकांड के मुख्य आरोपी और 1.50 लाख के इनामी बदमाश शिवम उर्फ सर्वजीत को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया।

बताया जा रहा है कि 28 मई 2026 को बमरौली तिराहे पर व्यापारी पप्पू गुप्ता को बदमाशों ने तमंचे से गोली मार दी थी, जिसके बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मामले में थाना बिलसंडा में हत्या समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

हत्याकांड के मुख्य आरोपी सर्वजीत उर्फ शिवम पर अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन की ओर से 1 लाख और डीआईजी बरेली परिक्षेत्र की ओर से 50 हजार का इनाम घोषित था।पुलिस के मुताबिक सूचना मिलने पर जब टीम ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से .32 बोर की पिस्टल, .315 बोर का तमंचा, भारी मात्रा में कारतूस और बिना नंबर की हीरो स्प्लेंडर बाइक बरामद की है।

डीआईजी बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मुठभेड़ में घायल पुलिसकर्मी उपनिरीक्षक उमेश त्यागी और हेड कांस्टेबल हरेंद्र सिंह का हाल जाना।

पुलिस के अनुसार मृतक बदमाश शिवम उर्फ सर्वजीत के खिलाफ लखीमपुर खीरी के कई थानों में करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज थे, जिसमें हत्या और गैंगस्टर एक्ट के मामले भी शामिल हैं। वर्ष 2025 में लखीमपुर खीरी में जीशान हत्याकांड में भी उसका नाम सामने आया था।

दो बूंद जिंदगी की... सात लाख बच्चों की सुरक्षा का संकल्प, बरेली में पल्स पोलियो अभियान का आगाज

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए जिले में रविवार से पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हो गई। जिला महिला अस्पताल में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।

इस मौके पर मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि पोलियो से बचाव का सबसे आसान और प्रभावी उपाय पोलियो की दो बूंद है। उन्होंने जनपद के सभी अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के हर बच्चे को पोलियोरोधी खुराक जरूर पिलाएं, कोई भी बच्चा अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने बच्चों के पूर्ण टीकाकरण और नवजात शिशुओं को छह माह तक केवल मां का दूध देने पर भी जोर दिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में करीब सात लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। बूथ दिवस के बाद 29 जून से स्वास्थ्य टीमें घर-घर पहुंचकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं अभियान में छूटे बच्चों को कवर करने के लिए 6 जुलाई को मॉप-अप राउंड भी चलाया जाएगा।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए जिले में 2823 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जबकि 1732 टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाएंगी।कार्यक्रम के दौरान सीएमएस डॉ. त्रिभुवन प्रसाद, अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. अजमेर सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग, डब्ल्यूएचओ, एड्रा, जेएसआई और रोटरी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मासूम के गुनहगार को 20 साल का मिला कठोर कारावास

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी से नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए कड़ी सजा सुनाई है। आपको बताते चलें कि मामला थाना अलीगंज क्षेत्र का है, जहां वर्ष 2023 में आरोपी यशपाल पुत्र राकेश मौर्य निवासी कस्बा व थाना अलीगंज, जनपद बरेली ने 5 वर्षीय नाबालिग बच्ची को बहला-फुसलाकर घर के अंदर ले जाकर उसके साथ गलत कृत्य किया था। घटना के संबंध में थाना अलीगंज में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने प्रभावी विवेचना करते हुए आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। अभियोजन पक्ष की ओर से 7 गवाह पेश किए गए, जिसके आधार पर माननीय पॉक्सो-03 कोर्ट बरेली ने आरोपी यशपाल को दोषी ठहराते हुए पॉक्सो एक्ट की धारा-6 में 20 वर्ष का कठोर कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 363 आईपीसी में 5 वर्ष का कारावास और 5 हजार रुपये जुर्माना, जबकि धारा 323/506 आईपीसी में 1 वर्ष का कारावास और 2 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड जमा न करने पर आरोपी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। कुल 32 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। सजा दिलाने में पुलिस अधीक्षक दक्षिणी/नोडल अधिकारी ऑपरेशन कन्विक्शन, विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो, विवेचक सहित कोर्ट पैरवीकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भीषण गर्मी में चरमराई बिजली व्यवस्था, कई इलाकों में आपूर्ति ठप, लोगों का हंगामा-प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली।किला उपकेंद्र के मलूकपुर में चार दिनों से बिजली की समस्या का कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। भीषण गर्मी में बच्चे बीमार हो रहे हैं। वहीं किला उपकेंद्र के शास्त्रीनगर में अनिल किराना स्टोर के पास शुक्रवार की दोपहर 12 बजे ट्रांसफार्मर का फ्यूज खराब हो गया था। शिकायत के बाद भी पूरे दिन कोई लाइनमैन मरम्मत के लिए नहीं पहुंचा, जिससे दिन-रात लोग भीषण गर्मी से बेहाल रहे। पानी का संकट भी रहा। आक्रोशित लोगों ने किया प्रदर्शन इसके बाद आक्रोशित लोगों ने शनिवार सुबह गायत्री पब्लिक स्टोर वाली मोड़ पर धरना प्रदर्शन किया। इससे काफी देर तक आवागमन बाधित रहा। सूचना पर प्रेमनगर थाने की पुलिस पहुंची, लेकिन कोई बात नहीं बनी। इसके बाद किला एसडीओ विशाल वर्मा ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर उनको आश्वासन दिया। वह ट्रांसफार्मर के फ्यूज को ठीक कराने में लगे रहे। देर रात तक बिजली की समस्या को ठीक नहीं किया जा सका। जिससे यहां पर करीब 300 घरों में बिजली गुल रही। रविवार सुबह बिजली निगम के कर्मियों ने फेज की समस्या ठीक किया, तब जाकर आपूर्ति बहाल हो सकी।

अंधेरे में चालक ने जंगल में घुसाई रोडवेज बस, रास्ते भर राम-राम जपते रहे यात्री

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रुहेलखंड डिपो के बस चालक ने 25 यात्रियों की जान अपनी कारस्तान के कारण खतरे में डाल दी। चालक ने किसी के कहने पर हाइवे को छोड़कर शॉर्टकट अपनाने के लिए खेतों में बस दौड़ा दी। अंधेरे में बस को जंगल में घुसा दिया। इस दौरान एक जगह बस खाई में पलटने से बाल-बाल बची। यात्रियों की चीख निकल गई। जब बस उतरे तो देखा पिलर वाले गड्ढे में बस गिरने से बाल-बाल बची। यात्रियों ने नाराजगी जताई तो चालक-परिचालक अभद्रता पर उतारु हो गये। यात्रियों ने किसी तरह से राम-राम जपते हुए सफर पूरा किया। किसी तरह सफर पूरा हुआ तो यात्रियों ने राहत की सांस ली। यात्रियों ने बताया कि बस में कोई हेल्पलाइन नंबर भी नहीं लिखा था। यात्रियों ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। बरेली की यात्री सुचित्रा चौहान, विकास, राम सेवक आदि यात्रियों का कहना है, वे मथुरा से बरेली के लिए बस यूपी 78 एलटी 6086 पर सवार हुए थे। बस में 25 सवारियां थीं। रात करीब 11:30 बजे चालक ने सोरो-कासगंज के बीच आकर हाइवे का रास्ता छोड़ दिया। गांवों के अंदर से खेतों के रास्ते बस निकालने लगा। रात का अंधेरा होने के बावजूद चालक ने यह कारस्तानी की। जिस मार्ग से बस निकाली उन पर कोई अन्य वाहन भी नहीं चल रहे थे।

पूरनपुर तहसील में प्रशासनिक अराजकता, किसानों की जमीनों पर दबंगों का कब्जा, 6 दिनों से भूख हड़ताल पर डटे बुजुर्ग, प्रशासन बेखबर

क्यूँ न लिखूँ सच /सुमित गुप्ता / बरेली/ पूरनपुर तहसील परिसर इन दिनों प्रशासनिक भ्रष्टाचार और तानाशाही का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। अपनी जमीन के हक और दबंगों के अवैध कब्जे के खिलाफ न्याय की आस लिए बैठे भारतीय किसान यूनियन भानू के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पिछले 6 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हालात इतने विकराल हो चुके हैं कि अब आंदोलनकारी भूख हड़ताल पर उतर आए हैं, लेकिन तहसील प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की संवेदनहीनता का आलम यह है कि बीते 48 घंटों से भूखे बैठे इन बुजुर्गों की सुध लेने वाला कोई नहीं है।किसानों का सीधा आरोप है कि तहसील प्रशासन पूरी तरह से अपनी मनमानी पर उतारू है।

पीड़ितों ने रोष जताते हुए कहा कि उनकी जमीन की पैमाईश जानबूझकर नहीं कराई जा रही है। हद तो तब हो गई जब दबंगों को तहसील प्रशासन का संरक्षण प्राप्त हो गया, जिसके चलते वे दिन दहाड़े किसानों की जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। प्रशासन की चौखट पर दर्जनों बार फरियाद लगाने के बावजूद जब उन्हें सिर्फ आश्वासन की घुट्टी पिलाई गई, तो मजबूरन उन्हें कड़ा रुख अपनाना पड़ा। भूख हड़ताल पर बैठे बुजुर्गों की बिगड़ती स्थिति ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैला दिया है। इनमें शिवकुमार (65), गीता देवी (45), सोमवती (60), गीता (50), जगदेवी (65) और मिथिलेश शर्मा (50) जैसे वे किसान शामिल हैं, जो अब हार मानने के बजाय आर पार की लड़ाई के मूड में हैं। इन आंदोलनकारियों का कहना है कि वे किसी भी कीमत पर झुकने वाले नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि यदि उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया, तो यह मामला केवल तहसील तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि वे सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अपनी व्यथा रखेंगे।मुख्यमंत्री के दरबार में वे पूरनपुर तहसील के उन भ्रष्ट अधिकारियों का काला चिट्ठा खोलेंगे, जिनकी मिलीभगत से किसानों का उत्पीड़न हो रहा है।प्रशासन की इस चुप्पी और भ्रष्टाचार के खिलाफ किसानों का यह संघर्ष आने वाले दिनों में और भी उग्र रूप ले सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी तहसील प्रशासन की होगी।

जरूरतमंद का सहारा बन रही है एक गूंज मानव सेवा से बढ़कर कोई समाज सेवा नहीं - बंटी ठाकुर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / समाज सेवा के क्षेत्र में बढ़ चढ़कर भागीदारी कर रही एक गूंज सेवा समिति बरेली उत्तर प्रदेश निरंतर जरूरतमंद लोगों को एक गूंज कपड़ा बैंक के माध्यम से लगातार 7 वर्ष से जरूरतमंद लोगों को सम्मान पूर्वक कपड़े का वितरण करते हैं जिससे सही से जीवन यापन कर सके समाज सेवा के क्षेत्र में एक गूंज सेवा समिति निरंतर कपड़ा बैंक के माध्यम से जरूरतमंद लोगों कपड़े का वेतन करते ही हैं साथ ही केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं को भी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य संस्था द्वारा निरंतर किया जा रहा है संस्था की अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह (बंटी ठाकुर)ने कहा संस्था द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम, जन जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, नशा उन्मूलन कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, मेधावी छात्र छात्रों का सम्मान, शिक्षक सम्मान समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं इसी कड़ी में कपड़ा वितरण अभियान निरंतर चल रहा है जिसमें नैनीताल रोड किनारे, फल मंडी के आगे झुग्गी झोपड़ी में पहुंचकर कपड़े का वितरण किया गया जिसमें प्रमुख रूप से मोहिनी वर्मा, सौरभ वर्मा, सार्थक वर्मा , संतोष राज, राजेंद्र सर एवं समस्त पदाधिकारी गण मौजूद है

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्धारित कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बन्ध में

क्यूँ न लिखूँ सच /सुमित गुप्ता / पीलीभीत अधिकारियों के साथ बैठक हुई सम्पन्जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में मा0 मुख्यमंत्री जी के दिनांक 29 जून को निर्धारित कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बन्ध में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने मा0 मुख्यमंत्री जी के भ्रमण, जनसभा स्थल, सुरक्षा व्यवस्था और विकास योजना, कार्यक्रमों की तैयारियों की बिन्दुवार समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना, कन्या सुमंगला, स्वच्छ भारत मिशन, पेयजल योजना, ओडीओपी, राशनकार्ड, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, श्रम विभाग, विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना, मुख्यमंत्री सड़क योजना, स्वयं सहायता समूहों, मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, निराश्रित महिला पेंशन, पेंशन सहित अन्य योजनाओं की बिन्दुवार जानकारी ली। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुये कहा कि सुरक्षा एवं यातायता व्यवस्था के सम्बन्ध में सुरक्षा प्रबन्ध सुनिश्चित कराये जाएं, कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेडिंग और सुचारू यातायात के लिए पुख्ता रूट प्लान, पेयजल एवं स्वास्थ्य व्यवस्था, दवाईयां, एम्बुलेंस, डॉक्टरों टीम सहित अन्य विन्दुओं चर्चा की।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र, डीएफओ, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्टेऊट, उप जिलाधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि0, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी सहित समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे

सीएम योगी का पीलीभीत-बरेली दौरा: विकास कार्यों की व कानून व्यवस्था की करेंगे समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बरेली और मुरादाबाद के दो दिवसीय दौरे का कार्यक्रम जारी हो गया है। वह रविवार को सबसे पहले बरेली पहुंचेंगे। त्रिशूल एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह राजकीय हेलीकॉप्टर से पीलीभीत रवाना होंगे। पीलीभीत में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के साथ जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसके बाद वह मुरादाबाद जाएंगे, जहां विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 30 जून को रामपुर में कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री दोपहर में फिर बरेली पहुंचेंगे और मंडल के विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री 30 जून को दोपहर करीब 12:30 बजे मुख्यमंत्री बरेली सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां सबसे पहले बरेली मंडल के लोक निर्माण विभाग के पुराने कार्यों की समीक्षा करेंगे और नई परियोजनाओं की कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद मंडल के चारों जिलों बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर के विकास कार्यों तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा होगी।

बैठक में मुख्यमंत्री शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, राजस्व और कानून व्यवस्था की स्थिति की विस्तार से समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक में मंडल के सभी जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान और विभागीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

मजदूर के दोनों बेटे देश सेवा में विकास के बाद छोटा भाई विशाल भी बना अग्निवीर, प्रशिक्षण को रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली।थाना इज्जतनगर के गांव आसपुर खूबचंद में एक मेहनतकश परिवार के दो सगे भाइयों ने भारतीय सेना में शामिल होकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। बड़े भाई विकास यादव पिछले वर्ष कर रहे हैं। उन्हीं से प्रेरित होकर उनके छोटे भाई उनका चयन भी अग्निवीर में हो गया। बच्चों के को पढ़ाने के लिए मजदूरी भी करते हैं, जबकि मां जाने पर मां का सीना गर्व से ऊंचा है। रविवार सुबह गया। इस दौरान ग्राम प्रधान मंजू कुमारी, अजीत वेदप्रकाश पटेल, सुनील पटेल, सचिन पटेल, डॉ वेदप्रकाश, धारा सिंह, नरेश पाल, देवेंद्र, लल्ला यादव, सुरेश, तिर्मल सिंह, एतराज सिंह, अशोक, योगेश, यादव सहित तमाम ग्रामीणों ने फूल-मालाएं पहनाकर

अग्निवीर में चयनित होकर वर्तमान में ड्यूटी विशाल यादव ने भी कड़ी मेहनत की और पिता के पास थोड़ी सी जमीन है और वे बच्चों राजेश्वरी गृहणी हैं। दो-दो बेटों के देश सेवा में विशाल को प्रशिक्षण के लिए रवाना किया पटेल, उमेश पटेल, पूजा मिश्रा, पूर्व प्रधान धीरज कुमार, समाजसेविका लक्ष्मी गंगवार धर्मपाल, अमर सिंह यादव, राना प्रताप, रजनीश, आकाश, जुगेंद्र, गुड्डू, राजवीर यादव और सुभाष और मिठाई खिलाकर उन्हें विदा किया।

वरिष्ठ पत्रकार निर्भय सक्सेना की पत्नी मधुरिमा सक्सेना का निधन, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

पत्रकार, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र की हस्तियों ने अंतिम संस्कार में पहुंचे

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के वरिष्ठ पत्रकार निर्भय सक्सेना की पत्नी 70 वर्षीय मधुरिमा सक्सेना का बीमारी के चलते एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से पत्रकारिता, सामाजिक और बुद्धिजीवी वर्ग में शोक की लहर दौड़ गई। वह अपने पीछे एक पुत्र मोहित सक्सेना और एक पुत्री रुचिका सक्सेना सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे बजरिया पूरनमल स्थित आवास से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। विभिन्न मार्गों से होती हुई अंतिम यात्रा सिटी श्मशान घाट पहुंची, जहां पूरे वैदिक रीति-रिवाजों के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पति वरिष्ठ पत्रकार निर्भय सक्सेना ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कैण्ट विधायक संजीव अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल कुमार एडवोकेट, उपजा प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. पवन सक्सेना, महामत्री मुकेश तिवारी, पूर्व डिप्टी मेंयर डॉ. सी.पी.एस. चौहान, शिव कुमार बरतरिया, कायस्थ चेतना मंच के अध्यक्ष संजय सक्सेना, अमित कुमार सक्सेना 'बिन्दू;, अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के अध्यक्ष राकेश सक्सेना, मानव सेवा क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा, पं इंद्रदेव त्रिवेदी, डॉ. सुरेश रस्तोगी, अशोक शर्मा, लोटा मुरादाबादी, शुभम सिंह, सुयोग्य सिंह, अजय मिश्रा, सुरेश रोचानी, प्रशान्त रायजादा,समेत तमाम पत्रकार बन्धु मौजूद रहे। वही, मानव सेवा क्लब के तत्वावधान में सिटी श्मशान भूमि पर शोक सभा आयोजित की गई। सभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र बीनू सिन्हा समेत बड़ी संख्या में समाजसेवियों, पत्रकारों और गणमान्य नागरिकों ने मधुरिमा सक्सेना को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ द्वारा पल्स पोलियो कैंप का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ द्वारा राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस (NID) के अंतर्गत गांधी नगर स्थित टेक केयर हॉस्पिटल पर पोलियो बूथ का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार रहे । डॉक्टर अरुण कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की जीवनरक्षक दवा पहुंचाना तथा भारत को पूर्णत: पोलियो मुक्त बनाए रखने के राष्ट्रीय अभियान को और अधिक सशक्त करना है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने पाँच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की।इस अवसर पर अध्यक्ष संजीव खंडेलवाल ने अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि टीकाकरण के माध्यम से बच्चों को गंभीर संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखा जा सकता है। साथ ही, पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी द्वारा वर्षों से किए जा रहे सतत प्रयासों की जानकारी दी गई। क्लब के सचिव संजय गर्ग ने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन अभियान रोटरी की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक पहलों में से एक है और क्लब का निरंतर प्रयास रहेगा कि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे।कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के अध्यक्ष संजीव खण्डेलवाल, सचिव संजय गर्ग, डॉ. एस.के. भरद्वाज, रमेश वाष्णेय, संजय अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, रोहित जिंदल, शिशिर पांडेय, डॉ. अनमोल अग्रवाल, डॉ. कृतिका अग्रवाल, डॉ विनोद पागरानी, अनिल अग्रवाल, संदीप मेहरा, मुकेश गुप्ता , आशीष मेहरोत्रा, शोभित, शुभम मेहरोत्रा, सहित अनेक रोटेरियन सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

राजस्व विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम पैमाइश करते समय विधवा महिला की झोपड़ी में लगी आग, विधवा महिला ने पुलिस के सामने दूसरे पक्ष पर झोपड़ी में आग लगाने का लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। थाना क्षेत्र के ग्राम राजपुरी नवादा निवासी विधवा महिला व दूसरे पक्ष विवादित जमीन की पैमाइश करने राजस्व विभाग पुलिस की संयुक्त टीम ने पहुंच कर पैमाइश करते समय विधवा महिला की झोपड़ी में आग लग गयी। विधवा महिला ने दूसरे पक्ष मनोज पर व उनके साथियों पर आग लगाने की आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर करवाई की मांग की। यदि थाने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वह उच्च अधिकारियों से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाएगी। ग्राम राजपुरी नवादा जगतार कौर ने बताया कि गाटा संख्या 280 में चार बीघा जमीन में पिछले 25 साल से रह रही है। वहीं बराबर में प्रेम नगर, बरेली निवासी मनोज ने जमीन खरीदी है। मनोज जबरन जमीन पर चकरोड (रास्ता) निकलवाने को लेकर महिला जगतार कौर से विवाद है। इधर पीड़िता महिला जगतार कौर का कहना है कि गाटा संख्या 280 में कोई चकरोड नहीं है। इसी जमीन की पैमाइश को शनिवार शाम 4ः00 बजे राजस्व विभाग व पुलिस संयुक्त टीम जमीन की पैमाइश करने पहुंची थी। पैमाइश के दौरान मनोज अपने अन्य साथियों के साथ भी मौजूद था। विधवा महिला जगतार कौर का आरोप है कि उसी समय मनोज के साथियों ने उसकी झोपड़ी में आग लगा दी। जिससे उसका काफी नुकसान हो गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के समय राजस्व व पुलिस कर सामने ही उसकी झोपड़ी में आग लगायी गई, लेकिन उसे न्याय नहीं मिल सका। पीड़िता ने कहना है कि वह विधवा और बेसहारा है तथा उसे लगातार परेशान किया जा रहा है। इधर पीड़ित महिला ने थाने में तहरीर देकर उक्त आरोपियों विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

यदि थाने में उसकी सुनवाई नहीं हुई तो वह उच्च अधिकारियों से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाएगी।

माननीय न्यायालय के आदेश से जनपद में चलाया गया रेस्क्यू अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ माननीय उच्च न्यायालय, लखनऊ में योजित ज्योति राजपूत बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य के सम्बन्ध में दिनांक 24.11.2025 को पारित आदेश के क्रम में जिलाधिकारी व जिला प्रोवेशन अधिकारी के आदेश के क्रम में जनपद में गठित विभिन्न विभागों की कमेटी द्वारा अभियान चलाते हुए जनपद स्तर पर कठिन परिस्थितियों में सड़क पर मिलने वाले अनाथ, परित्यक्त या आपातस्थिति में रह रहे व्यक्तियों के सम्बन्ध में उनके पुनर्वासन की कार्यवाही किये जाने हेतु संबंधित विभागों द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाया गया जिसमें समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, महिला कल्याण विभाग, नगर निगम विभाग, डूडा, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग की 07 टीमो द्वारा रेलवे स्टेशन उरई में अभियान चलाया गया जिसमें स्टेशन पर रहने वाले महिला व पुरुष को पुनर्वासित करने के साथ ही बीमार व दिव्यांजन व्यक्तियों को पैंशन व जिला अस्पताल में भर्ती कराकर पुनर्वासित कराया गया तथा अन्य संबंध में जानकारी दी गई उक्त अभियान के दौरान चिकित्सा विभाग से डॉक्टर आनंद वर्मा श्रम विभाग से सुनील, पुलिस विभाग से थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग से शकील, डूडा विभाग से अहमद, समाज कल्याण विभाग से देवेंद्र, दिव्यांजन सशक्तिकरण विभाग से वरिष्ठ सहायक शैलेश गुप्ता एवं महिला कल्याण विभाग से संरक्षण अधिकारी जूली खातून, गरिमा पाठक द्विवेदी, सदस्य बाल कल्याण समिति प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रतीक्षा सिंह, केन्द्र प्रबंधक रीना यादव वन स्टॉप सेंटर दित्तीय व प्रवीणा यादव वन स्टॉप सेंटर प्रथम एवं सुरेश कुमार सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड को लगाई कड़ी फटकार, बारिश से पहले हर हाल में कार्य पूरा करने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / जनपद में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लेने के क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने एट-कोटरा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य अपेक्षित गति से न होने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की तथा लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।जिलाधिकारी ने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र के हजारों लोगों की दैनिक आवाजाही का प्रमुख माध्यम है। ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण में किसी भी प्रकार की शिथिलता या अनावश्यक विलंब क्षम्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य में अतिरिक्त संसाधन एवं मानवबल लगाकर निर्माण की गति तत्काल बढ़ाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मानसून की तीव्र वर्षा शुरू होने से पहले हर हाल में एट-कोटरा मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए, ताकि बरसात के दौरान आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्य में लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा गुणवत्ता में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर कार्य की दैनिक निगरानी करने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनहित से जुड़े सभी विकास कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से पूरे कराए जाएं, जिससे आमजन को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध हो सके।

शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें, कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे: डीपीसी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जनपद पंचायत सभागार खनियाधाना में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) दफेदार सिंह ने अधिकारियों और शिक्षकों को निर्देश दिए कि क्षेत्र का कोई भी पात्र बच्चा विद्यालय में प्रवेश से वंचित न रहे। उन्होंने वार्ड एवं ग्राम स्तर पर अभियान चलाकर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में बीआरसी संजय भदोरिया, बीएसी, जन शिक्षक, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक तथा अशासकीय विद्यालयों के संचालक उपस्थित रहे। डीपीसी ने विद्यालयों में नियमित प्रार्थना, %आज का शुभ विचार%, बाल कैबिनेट गठन एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ओलंपियाड, एनएमएमएस एवं नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी समय से शुरू कराने, प्रतिदिन श्रुतलेख-सुलेख अभ्यास, कॉपियों का नियमित मूल्यांकन तथा फेयर कार्य कराने पर बल दिया।

बैठक में अपार आईडी, यू-डाइस प्रोग्रेशन, चाइल्ड ट्रैकिंग, साक्षर भारत अभियान एवं नामांकन की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही विद्यालयों में अभिलेखों का नियमित संधारण, अभिभावकों से सतत संपर्क तथा अनुपस्थित विद्यार्थियों को पुन: विद्यालय से जोड़ने के निर्देश दिए गए।

मध्यान्ह भोजन योजना की समीक्षा करते हुए डीपीसी ने सभी विद्यालयों में समय पर स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में उन्होंने विकासखंड में किए जा रहे शैक्षणिक नवाचारों और प्रभावी मॉनिटरिंग की सराहना करते हुए सभी शिक्षकों से टीम भावना के साथ प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

इंजेक्शन दिया, गर्म तार लगाया- फंदे से लटकी मिली युवक की लाश, बेटे ने मां के खोले ऐसे राज; पुलिस भी रह गई सन्न

यूपी के कासगंज में सनसनीखेज घटना सामने आई है। युवक का शव घर में फंदे से लटका मिला। युवक की हत्या में मासूम बेटे ने जो राज खोले, उससुन पुलिस भी सन्न रह गई। पुलिस

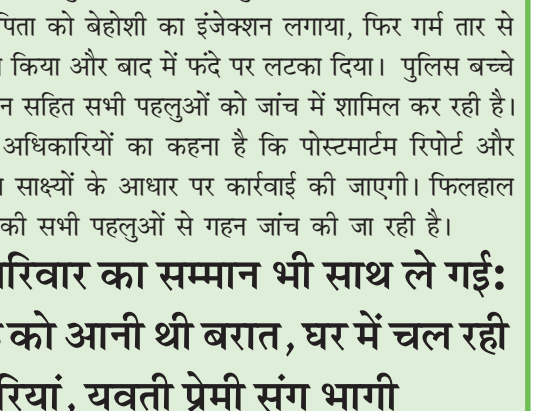

मामले की जांच में जुटी है। कासगंज के सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव पवसरा में शनिवार को युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन ने उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया है। वहीं इस मामले में बेटे ने चौंकाने वाले राज खोले हैं। बेटे ने मां पर कुछ लोगों को घर बुलाकर पहले पिता को इंजेक्शन लगाने और फिर गर्म तार से प्रताड़ित करके लटकाने का आरोप लगाया है।गांव पवसारा निवासी राहुल पुत्र विजेंद्र सिंह का शव शनिवार को घर पर फंदे पर लटका मिला था। वह मेधा मिल की कैंटीन में कार्य करता था। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजन का आरोप है कि राहुल का विवाह वर्ष 2018 में हुआ था।शादी के कुछ ही दिन बाद पत्नी किसी अन्य युवक के साथ चली गई थी। उसके किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम संबंध थे। परिजन का आरोप है कि इसी कारण राहुल की हत्या की गई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उधर, मृतक के बेटे कार्तिक ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि उसकी मां ने कुछ लोगों को घर बुलाया था। उन लोगों ने पहले उसके पिता को बेहोशी का इंजेक्शन लगाया, फिर गर्म तार से प्रताड़ित किया और बाद में फंदे पर लटका दिया। पुलिस बच्चे के बयान सहित सभी पहलुओं को जांच में शामिल कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की सभी पहलुओं से गहन जांच की जा रही है।

वो परिवार का सम्मान भी साथ ले गई: आठ को आनी थी बरात, घर में चल रही तैयारियां, युवती प्रेमी संग भागी

शादी से पहले युवती प्रेमी संग भाग गई। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।युवती की आठ जुलाई को बरात आनी है, घर में तैयारी चल रही है। शादी से 10 दिन पहले ही युवती घर से जेवर और नकदी लेकर प्रेमी के साथ भाग गई। पिता की तहरीर पर दो आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। क्षेत्र के एक गांव की निवासी युवक ने बताया कि पुत्री की आठ जुलाई को बरात आनी थी। घर में विवाह की तैयारी चल रही थी। आरोप है कि पुत्री को गांव का अमन शुक्रवार रात 11 बजे बहला फुसलाकर कर ले गया है। पुत्री को ले जाने में गांव के पारुल ने साजिश रची और उसका साथ दिया। पुत्री घर से रखे 2.80 लाख नकद और सोने की जंजीर, बृजबाला, पायल बिछुआ आदि जेवर भी ले गई। पिता ने आरोपी युवक के परिजनों से संपर्क किया तो उन्होंने संतोष जनक उत्तर नहीं दिया।थाना प्रभारी विनय कुमार शर्मा का कहना है कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। युवती और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। मामले की जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से विदा हुई शान्वी- करंट ने छीन लिया था पिता, फिर बेटी की शादी में पूरा इलाका बना परिवार

शादी तय होने के बाद नौ मई को करंट लगने से संविदा कर्मी की मौत हो गई थी। नगर पंचायत अध्यक्ष पंकज शुक्ला ने शादी कराने का जिम्मा उठाया। शान्वी की शादी शनिवार रात धूमधाम से हो गई। रविवार सुबह विदाई भी हो गई। शान्वी की शादी का जिक्र इसलिए क्योंकि बीती नौ मई को एक घटना में शान्वी के पिता की मौत करंट लगने से हो गई थी। बेटी की शादी तय हो चुकी थी, लेकिन तैयारियों के नाम पर कुछ नहीं हुआ था। नगर पंचायत अध्यक्ष ने उसी दिन बिटिया की शादी बेहतरीन ढंग से करने का वादा किया था और शनिवार रात जब यह वादा पूरा हुआ तो बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। नगर के पश्चिमी बाजार निवासी महेंद्र उर्फ गुड्डू (40) नगर पंचायत में संविदा पर बिजली मिस्त्री थे। एक ज्वैलरी शॉप के पास लाइट सही करने गए गुड्डू को वहां पड़े टीनशेड में आ रहे करंट ने झटका दे दिया था। नौ मई को हुई इस घटना में महेंद्र की मौत हो गई थी। महेंद्र के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक पुत्र है। बेटी शान्वी की शादी उन्होंने सीतापुर के गंजमुरादाबाद निवासी ओम के साथ तय कर दी थी। तिलक भी चढ़ चुका था। अचानक हुई घटना से बेटी की शादी पर संकट के बादल मंडराने लगे, लेकिन नगर पंचायत अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला उर्फ पंकज ने घटना के दिन ही शान्वी की धूमधाम से कराने की घोषणा कर दी। शनिवार को शान्वी की शादी हुई। शादी में कन्यादान से लेकर द्वारचार में अगवानी तक की रस्में पंकज ने पूरी कीं।

पंचायत में थामा हाथ, अलविदा कह गए साथ-साथ, दोनों ने दी जान; लड़की के साथ पकड़ा गया था तीन बच्चों का बाप

हरदोई में प्रेम प्रसंग में युवक और युवती ने एक ही साड़ी के फंदे से खुदकुशी कर ली। विवाहित युवक के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। बहन की ससुराल में रहने वाली युवती के साथ परिजन ने युवक को 24 जून को पकड़ा था।हरदोई में विवाहित युवक ने प्रेम प्रसंग में युवती लिया। शनिवार सुबह युवक के घर में जानकारी पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी टीम ने भी मौके से जरूरी नमूने जुटाए। निवासी शख्स (30) खेती करते थे। बहन की ससुराल बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र जाने के दौरान उसी गांव की एक युवती गईं। इसका पता चलने पर पत्नी ने नाराजगी साथ मायके चली गईं। बीते 24 जून को गए थे। युवती के परिजन ने पकड़ लिया। की पत्नी को भी बुलाया गया। परिजन ने के लिए कहा। इस पर किसान उसे लेकर गांव गई। पति-पत्नी के बीच हुई थी मामले में पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई किसी समय किसान और युवती ने एक लटक कर खुदकुशी कर ली। शनिवार सुबह

की कछौना कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के साथ एक ही साड़ी से फंदा लगा दोनों के शव फंदे से लटके मिले। ने घटनास्थल का जायजा लिया। फॉरेंसिक कछौना कोतवाली क्षेत्र के एक गांव परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। उनकी के एक गांव में है। बहन के घर आने- (22) से किसान की नजदीकियां हो जताई और चार महीने पहले बच्चों के किसान उक्त युवती से मिलने उसके घर इसके बाद पंचायत का दौर चला। किसान किसान से युवती को अपने घर ले जाने अपने गांव चले गए। पत्नी भी साथ में कहासुनी-चर्चा है कि शुक्रवार रात इसी और युवती यह सब सुनती रही। रात में ही साड़ी के फंदे से छत के जाल में इसका पता चलने पर भीड़ एकत्र हो गई। धक्का देने पर दरवाजा खुल गया फिर पुलिस को सूचना दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुबोध गौतम ने बताया कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। फिलहाल परिजन ने कोई शिकायत नहीं दी है। अगर शिकायत देंगे तो जांच कर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। पंचायत में थामा हाथ, अलविदा कह गए साथ-साथ- युवक की शादी हो चुकी थी। तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। युवक अब दुनिया में नहीं तो बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पंचायत में युवक ने युवती का हाथ थामा,पत्नी से विवाद में वह युवती के साथ कैसे रहता,यह सोचा और रात में दोनों ने साथ-साथ अलविदा कह गए। घटना से दो घरों में कोहराम मचा है।पुलिस ने बरती लापरवाही- लोगों का कहना है कि मंगलवार को जब युवती के घरवालों ने युवक को पकड़ा था। बेनीगंज पुलिस के सुपुर्द करने की भी बात सामने आ रही है। यह भी बताया जाता है कि समझौता कर दोनों पक्ष चले गए थे। यदि बेनीगंज पुलिस प्रभावी कार्रवाई करती तो दोनों की जान बच सकती थी।

चार दिन और छह किमी, सगी बहनों की मिली लाशें, एक के तो सिर्फ पैर ही मिले; भाई को बचाने में डूबीं थीं दोनों

यूपी के मऊ जिले में तीन दिन बाद छह किलोमीटर दूर सगी बहनों के शव मिले हैं। एक के सिर्फ पैर मिले हैं। घड़ियालों के खाने की आशंका जताई गई है। दोनों बहनों की भाई को बचाने के चक्कर में जान गई है।उत्तर प्रदेश के मऊ गजियापुर में बृहस्पतिवार को स्नान बहनों प्रियांशु और प्रतिज्ञा के शव छह किमी दूर बलिया के उभांव थाना स्थान के पास मिले। पुलिस को छोटी पहचान हुई। वहीं बड़ी बहन का शव पैरों के अवशेष के रूप में मिला।पुलिस घड़ियालों की मौजूदगी है। वे शव के या उन्हें खा लिया होगा। तीन दिन से की 15 सदस्यीय एसडीआरएफ और (आजमगढ़) की टीम लगातार सर्च दिनेशदत्त मिश्रा ने बताया कि गजियापुर

जिले के मधुबन थाना इलाके के के दौरान भाई को बचाने में डूबीं दोनों तीन दिन बाद बरामद किए गए। शव क्षेत्र के मठिया गुलौरा गांव के शिव बहन प्रतिज्ञा की टी-शर्ट से उसकी क्षत-विक्षत अवस्था में केवल दोनों ने आशंका जताई है कि नदी में बाकी हिस्से क्षतिग्रस्त कर दिए होंगे दोनों बहनों की तलाश में गोरखपुर पीएसी 20वीं बटालियन फ्लड अभियान में जुटी थी।सीओ मधुबन निवासी किसान रामविलास यादव का परिवार एकादशी पर्व पर सुबह करीब 10 बजे सरयू नदी में स्नान करने गया था। उनके साथ पत्नी, दो पुत्रियां, एक पुत्र, भाई का परिवार तथा गांव की अन्य महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। भाई को बचाने में डूबीं दोनों बहनें- स्नान के दौरान रामविलास का बेटा निर्भय अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। इस पर बड़ी बहन प्रियांशु ने उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगाई और उसे धक्का देकर सुरक्षित कर दिया, लेकिन वह स्वयं तेज बहाव में फंसकर डूबने लगी। बहन को संकट में देख छोटी बहन प्रतिज्ञा भी उसे बचाने के लिए नदी में उतर गई, लेकिन वह भी गहरे पानी में समा गई। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए तथा अपने स्तर से तलाश शुरू कर दी। कई घंटों तक खोजबीन के बावजूद दोनों का कोई पता नहीं चल सका।- इसके बाद गोरखपुर की एसडीआरएफ टीम और आजमगढ़ की पीएसी 20वीं बटालियन फ्लड टीम द्वारा लगातार दो स्टीमरों से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तीन दिन से नहीं जला चूल्हा, प्रियांशु ने दी थी पुलिस भर्ती के लिए परीक्षा प्रियांशु बड़ी लड़की थी, जिसने इसी जून में आजमगढ़ में पुलिस भर्ती प्रवेश परीक्षा दी थी। जिस दिन वह अपने भाई को बचाने में नदी में डूबी, उससे दो दिन पहले उसने अपने पिता से कहा था कि यदि पिछली तैयारी से 10 नंबर और बढ़ जाते तो उसका पुलिस में चयन हो जाता। प्रियांशु बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा थी, जो ऋषि राम नरेश पीजी कॉलेज, मोलनापुर में अध्ययनरत थी। घटना के दिन रामविलास यादव के घर का चूल्हा नहीं जला था। हालांकि पड़ोसी ग्राम प्रधान चंद्रभान यादव के यहां से भोजन पहुंचाया गया। बार-बार कहने पर भी वे कभी एक या दो रोटी ही ले रहे थे। आर्थिक रूप से रामविलास बेहद जरूरतमंद हैं। उनके पास देवरांचल में जो खेत है, उससे वे केवल एक फसल ही ले पाते हैं। घर में छोटी बहन कक्षा आठवीं में पढ़ रही है। जुलाई 2025 में भी डूबी थीं दो बहनें- मधुबन थाना क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 25 जुलाई 2025 को भी ऐसी ही घटना हुई थी। मधुबन थाना क्षेत्र के बिंदटोलिया गांव निवासी सत्यम भारती (18) अपनी छोटी बहन गुंजन तथा ममेरी बहन अनिता के साथ घाघरा नदी के तट पर पहुंचे थे।नदी किनारे खड़े होने के दौरान अचानक कटान होने से तीनों नदी में गिर गए। इस दौरान सत्यम को वहां मौजूद लोगों ने तैरकर बाहर निकाल लिया, लेकिन गुंजन और अनिता तेज बहाव में बह गए। तीन दिन बाद उनके शव तीन से चार किमी दूर मिले थे।

संक्षिप्त समाचार

करैरा में तहसीलदार की मोबाइल कोर्ट, फौती नामांतरण के 8 प्रकरणों का मौके पर निराकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर करैरा तहसीलदार ललित शर्मा ने ग्राम कालीपहाड़ी एवं टोडा करैरा में मोबाइल कोर्ट लगाकर राजस्व प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। इस दौरान टोडा करैरा में फौती नामांतरण के 5 तथा काली पहाड़ी में 3 प्रकरण स्वीकृत किए गए। कुल 8 परिवारों को तत्काल राहत मिली और उन्हें तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली। मोबाइल कोर्ट के दौरान तहसीलदार ने दोनों ग्रामों में संचालित %दो बूंद जिंदगी की% पोलियो अभियान के बूथों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए। प्रशासन की इस पहल से ग्रामीणों को गांव में ही राजस्व संबंधी सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

यमुना के संगम में स्नान करते समय सिपाही की डूबकर मौत, इकलौते बेटे की मौत से टूट गया परिवार

सिपाही बांदा के चिल्ला थाने में तैनात था। कानपुर नगर के सरसौल रामपुर गांव के रहने वाले थे। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। चिल्ला थाने में तैनात कांस्टेबल की यमुना नदी में स्नान करते समय डूबकर मौत हो गई। बारी लगाए लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। चिल्ला और ललौली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पांच घंटे तक नदी में तलाश अभियान चलाया गया। बाद में जाल डलवाने से सिपाही का शव उसमें फंसकर बाहर आया। पुलिस उसे लेकर जिला अस्पताल आई। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिल्ला थानाक्षेत्र के चिल्ला थानाध्यक्ष आनंद साहू ने बताया कि थाने में तैनात सिपाही कानपुर नगर के महराजपुर थाना क्षेत्र के सरसौल रामपुर गांव निवासी अनुराग सिंह भदौरिया (27) रविवार को सुबह छह बजे थाने के साथी सिपाहियों को बताकर यमुना नदी में स्नान करने के लिए निकले थे। उन्होंने चिल्ला नदी का पुल पार कर फतेहपुर के ललौली थाना क्षेत्र में चाय पकौड़ी की दुकान में बाइक खड़ी कर पहले नाश्ता किया उसके बाद वह पैदल दो किलोमीटर केन और यमुना के संगम स्थल पर नहाने के लिए पहुंचे।यहां बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान मौरंग में पैर फिसलने से वह गहराई में पहुंच गए और नदी में समा गए। सुबह 10 बजे तक वह थाने नहीं पहुंचे तो थाने के अन्य पुलिसकर्मियों ने खोजना शुरू किया। वह खोजते हुए नदी किनारे पहुंचे तो कपड़े उतरे देख। इस पर उन्होंने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इस पर थानाध्यक्ष चिल्ला आनंद साहू मय फोर्स और ललौली थाना का फोर्स मौके पर पहुंच गया। वहां नाव से नदी में तलाश अभियान शुरू हुआ।

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, जिलाधिकारी ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया आगाज

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनपद में बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रविवार को जिला महिला चिकित्सालय, उरई से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने नन्हे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया तथा नवजात शिशुओं के परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए सभी अभिभावकों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाने की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि पोलियो जैसी बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर पोलियो की खुराक पिलाना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव, मोहल्ले अथवा घर-घर पहुंचें तो आमजन उनका पूरा सहयोग करें, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रह जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित नियमित टीकाकरण एवं पल्स पोलियो अभियान के कारण देश में पोलियो नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है और इसे पूरी तरह बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिनंदन प्रसाद ने बताया कि जनपद में अभियान के तहत 1,188 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां 2,16,833 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बूथ दिवस के बाद 29 जून से 3 जुलाई 2026 तक 590 घर-घर भ्रमण टीमें लगभग 3,31,360 घरों तक पहुंचकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए 190 पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त 6 जुलाई को बी-टीम द्वारा उन बच्चों को भी दवा पिलाई जाएगी, जो किसी कारणवश अभियान से छूट गए हों। यात्रा कर रहे परिवारों के बच्चों को पोलियो की खुराक उपलब्ध कराने के लिए 41 ट्रांजिट टीमें भी सक्रिय रहेंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान की प्रतिदिन समीक्षा की जाएगी तथा जनपद स्तरीय नोडल अधिकारियों द्वारा लगातार पर्यवेक्षण सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि अभियान शत-प्रतिशत सफल बनाया जा सके। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. आनंद प्रकाश वर्मा, जिला महिला चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जे.एन. राम, सीएमएस डॉ. एस.के. पाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रेम प्रताप, यूएनडीपी/ डब्ल्यूएचओ एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, पर्यवेक्षक, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

काला रंग देख पुलिस के छूटे पसीने! जनसभा में महिला ने सरेराह बदलवाई बुजुर्ग की साड़ी

इस ब्लैक-फ्रोबिया के बीच जहां कई लोगों को मायूस लौटना पड़ा, वहीं एक महिला की सूझबूझ और जुगाड़ सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है।हाथरस के सलेमपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा में सुरक्षा का एक अनोखा और सख्त पहरा देखने को मिला। सभा स्थल पर काले रंग के कपड़ों (काली टी-शर्ट, काला दुपट्टा, काली साड़ी और काले गमछे) पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई थी। इस ब्लैक-फ्रोबिया के बीच जहां कई लोगों को मायूस लौटना पड़ा, वहीं एक महिला की सूझबूझ और जुगाड़ सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। योगी जी को सुने बिना नहीं जाऊंगी.. और बदल डाली साड़ी गांव टोंड से मुख्यमंत्री को सुनने पहुंची रूपल

के साथ एक बुजुर्ग महिला भी आई थीं, जो संयोग से काली साड़ी पहने हुए थीं। मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने काले रंग के कारण उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इस पर रूपल ने हार नहीं मानी। उनका कहना था, साड़ी के काले रंग की वजह से मुख्यमंत्री को न सुन सकें, ऐसा नहीं हो सकता। रूपल तुरंत उस बुजुर्ग महिला को जनसभा स्थल के एक किनारे ले गईं, वहां सुरक्षाकर्मियों की नजरों से बचकर उनकी साड़ी बदली (ओटक कर दूसरी साड़ी पहनाई) और फिर शान से अंदर प्रवेश पा लिया।गेट पर ही जमा करा लिए दुपट्टे और गमछे सुरक्षा का यह सख्त रुख कई अन्य लोगों के लिए मुसीबत बन गया। काली टी-शर्ट- जनसभा में जो युवक काली टी-शर्ट पहनकर आए थे, उन्हें पुलिस ने गेट से ही वापस घर भेज दिया। दुपट्टे और गमछे- जो महिलाएं काला दुपट्टा ओढ़कर आई थीं या जो पुरुष काला गमछा लेकर आए थे, सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें गेट पर ही रखवा लिया।नो-एंट्री- कई अन्य महिलाएं भी सिर्फ काली साड़ी पहने होने के कारण जनसभा में शामिल नहीं हो सकीं। 50 किलोमीटर का सफर रहा बेकार- सहपऊ ब्लॉक के गांव बढ़ार से आए मनवीर सिंह सिर्फ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भाषण सुनने के लिए 50 किलोमीटर दूर सादाबाद विधानसभा से सलेमपुर पहुंचे थे। लेकिन उन्होंने अनजाने में काली टी-शर्ट पहन रखी थी, जिसके कारण पुलिस ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। मनवीर ने निराश होकर कहा कि सिर्फ एक टी-शर्ट के रंग की वजह से उन्हें मुख्यमंत्री को सुने बिना ही वापस लौटना पड़ रहा है।

How to get free treatment with the Ayushman Card? Learn the easy method here and you won't have any problems.

The Ayushman Card entitles you to free treatment up to ?5 lakh annually, but do you know how you can avail of this free treatment? The Ayushman Card is a card that allows you to avail of free treatment. The government covers the cost of your treatment, and you don't need to spend any money. But do you know how you can get free treatment with the Ayushman Card? Probably not. So, let's find out how to get free treatment with the Ayushman Card. In the next slides, you can learn how to get free treatment with the Ayushman Card... What is the limit of Ayushman Card? The limit of Ayushman card is Rs 5 lakh, which means that you can get free treatment up to Rs 5 lakh within a year. The government bears the cost of your treatment and the limit is added to your Ayushman card every financial year. In which hospital can you get free treatment with Ayushman card? With Ayushman card, you can get free treatment only in those hospitals which are registered in this scheme, for example, many private and government hospitals are registered in this scheme. You can find out the registered hospital of your city from this official link https://hem.nha.gov.in/search. How to get free treatment with Ayushman card? First Step- If your Ayushman card has been made then you can get free treatment through Ayushman card. Know that free treatment is available only in the hospital registered under the scheme. For this, you first have to go to the hospital which is registered under this scheme. Second Step- Then you have to go to the Ayushman Mitra help desk in that hospital. Here you have to meet Ayushman Mitra i.e. the concerned officer. He will verify your Ayushman card and if everything is found correct, you will be given the benefit of free treatment.

If the mobile number linked to your PF account has been disabled, update it this way; learn how.

If you want to add a new mobile number to your PF account, you can easily do this from the comfort of your home through the PF portal. If you are employed, are your PF contributions subject to regulations? A fixed amount is deposited into this PF account from your monthly salary. You can then withdraw this money as per your needs or upon retirement. A mobile number is also linked to your PF account, which is required for various purposes, including logging into your PF account and other tasks. If the mobile number previously linked to your PF account has been disabled, you can link a new mobile number to your PF account, let's learn how to link a new mobile number to your PF account... How to add a new mobile number to your PF account? Step 1: If you need to change your mobile number, you can do this from home. First, you need to visit the EPFO's official portal https://unifiedportal-mem.epfindia.gov.in/memberinterface/. You need to login here. For this, you need to first enter your UAN number. Step 2: Then, you need to enter your password. After this, an OTP will be sent to your registered mobile number. Enter it and login. After logging in, you need to go to the Manage section. Step 3: Here, you need to click on the Contact Details option. After this, you will see your already updated mobile number and email ID. To change your mobile number, click on the box next to Change Mobile Number. Step 4: Then, you need to enter your mobile number twice. After this, an OTP will be sent to the entered mobile number. Enter this OTP and your mobile number will be changed.

Avoid these foods during the rainy season, or your health could deteriorate.

If you want to maintain good health during the monsoon season, it's best to avoid certain foods. The high humidity during the monsoon season increases the risk of food poisoning, stomach infections, viral fevers, and digestive problems. Therefore, maintaining good hygiene isn't enough; special care must be taken when eating. Many foods are consumed as usual during the monsoon season, but these habits can make them sick. Health experts believe that certain foods should be limited or completely avoided during the rainy season to avoid infections and digestive problems. If you want to stay fit and healthy during the monsoon season, it's crucial to make some necessary changes to your diet. Be careful with green leafy vegetables: Bacteria, fungus, and small insects can easily thrive on green leafy vegetables during the monsoon season. Dirt and microorganisms can hide between the leaves of vegetables like spinach, fenugreek, mustard, cabbage, and lettuce. If consumed without proper cleaning, they can cause stomach aches, diarrhea, vomiting, and foodborne infections. Therefore, these vegetables should be thoroughly washed and cooked before eating during the monsoon season. Avoid street food - During the rainy season, roadside foods can pose a health risk. Golgappa, chaat, samosas, tikkis, and other loose foods remain in the open for long periods, where they can easily accumulate dust, dirt, and bacteria. Furthermore, rain and humidity cause microorganisms to multiply rapidly in these foods. Consuming such foods can lead to problems like food poisoning, typhoid, stomach infections, and diarrhea. It is considered safer to eat fresh and clean home-cooked food during the monsoon season. Avoid eating cut fruits - During the rainy season, cut fruits sold in markets and carts can spoil quickly. When left out in the open for extended periods, bacteria and fungus begin to grow. While these fruits may appear fresh, they may harbor harmful microorganisms that can harm health. Eating such fruits increases the risk of stomach upset, vomiting, diarrhea, and infections. Experts recommend always purchasing fresh fruits during the monsoon season and only washing and cutting them at home before consuming them. Limit seafood intake - Monsoon is considered the breeding season for marine life, and the quality of fish, shrimp, and other seafood can often be affected. If seafood is not fresh or has not been stored properly, bacteria can grow rapidly in it. This increases the risk of foodborne infections, allergies, and digestive problems. Therefore, when purchasing seafood during this season, special attention should be paid to its freshness and excessive consumption should be avoided. Avoid fried and highly spicy foods - During the rainy season, the digestive system may function slightly slower than normal. In such a situation, eating too much fried, spicy, and oily food puts extra pressure on the stomach. This can lead to problems like gas, acidity, indigestion, bloating, and stomach pain. Furthermore, oily foods can also increase lethargy and heaviness in the body. It is best to eat light, fresh, and nutritious foods during the monsoon season, which keeps the digestive system healthy and reduces the risk of infection.

Samay Raina gave a special gift to Alia and Sharvari; the three actors are seen having fun in the BTS video.

A BTS video of the first episode of the second season of "India's Got Latent" has surfaced. The second season of "India's Got Latent" has already begun. The first episode, featuring Alia Bhatt and Sharvari, has been generating buzz ever since its release. Now, a new BTS video from the shooting of the first episode has surfaced. In it, Alia Bhatt is seen praising comedian Samay Raina. She also shared a sweet anecdote about how she used to watch the show while her daughter Rhea was sleeping next to her. Samay Raina shared this clip in the "Members-Only" section of his YouTube channel. Alia became emotional after seeing Samay and Balraj's friendship. In the video, Samay Raina is seen talking to Alia and Sharvari before the shoot and presenting them with a gift hamper, which also includes a signed photo of himself. During this, both actresses laugh, while in another segment, Alia is seen talking about Samay and Balraj's friendship. Speaking about Samay and Balraj's bond, Alia said, "In that special show, when you two talked about your friendship, I could really feel it. It was explained and expressed so well. I cried there. So, I think this special show has helped me get to know you both so well." Alia further explained that she watched "India's Got Latent" on a flight after Samay sent her an episode. She said, "I only watched 'Latent' on my flight. You sent me that episode, and I was laughing so hard. I didn't even realize Raha was sleeping next to me. I was disturbing everyone." Samay then gave Alia a gift hamper. When she saw a framed photo of Samay inside, she burst out laughing after reading the text. It read, "I've always wanted to give someone like you my autograph." Samay also gifted Sharvari a signed photo, which made her laugh. She said, "It's very precious and will be kept on my bedside table because I've always wanted Samay's autograph." The first episode of Season 2 received mixed reactions: The first episode of "India's Got Latent" Season 2 began with Alia Bhatt and Sharvari as guests, but received mixed reviews online. As soon as the show began, many viewers commented that the new season lacked the "raw energy" that made the first season popular. Some called its humor light, scripted, and overly promotional.

Shruti Haasan did this at the age of 19, angering her father Kamal Haasan; the actress recounted the story.

Shruti Haasan answered fans' questions during an "Ask Me Anything" session. She shared the story of getting her belly button pierced. Actress Shruti Haasan, a leading actress in South and Bollywood films, shared an interesting anecdote from her childhood and teenage years on social media. She explained that a decision she made as a teenager did not sit well with her father, veteran actor Kamal Haasan, and it angered him. Singer Shruti Haasan answered fans' questions during an "Ask Me Anything" session on Instagram. During the session, a fan asked her about her personal style and body piercings. Responding to this, Shruti revealed that she had gotten her belly button pierced as a teenager. Shruti shared a photo in her response and wrote, "This decision was part of my teenage mischief. I got my belly button pierced at the age of 19. My father was very angry with this decision." The actress added that most people make such decisions in their teens, which their families later react to differently. How does Shruti take care of her hair? Shruti Haasan has always been known for her unique and bold fashion style. A fan asked her about her hair care routine, to which Shruti replied, "The last time I colored my hair was in 2017. I haven't had any professional hair treatments since then. I like to experiment with my hair and looks myself." Sometimes I apply homemade masks on my hair, and sometimes I cut them myself.

"She was very glamorous," Pallavi Joshi recalled meeting Zeenat Aman on the sets of "Don"; she said, "She was out of the box..."

Pallavi Joshi recalled her meeting with Zeenat Aman. Find out why she distinguished Zeenat Aman from other actresses... Actress and producer Pallavi Joshi fondly recalled her first meeting with veteran actress Zeenat Aman on the sets of Amitabh Bachchan's film "Don." The actress said she was completely amazed and speechless by Zeenat's striking personality and glamour. Speaking to INS, Pallavi Joshi revealed that she first saw Zeenat during the shooting of the 1978 film "Don," starring her elder brother, Alankar Joshi. "As a child, I would often go to film shoots. I was probably eight or nine years old then," she said. I remember the film 'Don' was being shot at Mehboob Studios, and my brother Alankar was part of that film, so I often went with him. The next thing I saw was Zeenat ji arriving on set. My father introduced me to her, but once again, I was completely speechless. Her personality was different from any other heroine. What set Zeenat Aman apart from other actresses of that era? Explaining this, Pallavi said that her personality was very different from any other heroine of that time. She looked different, chose unconventional roles, and everything about her, from her hairstyle and makeup to her costumes, was not typical of a typical heroine. Yet, she was very glamorous. So glamorous that I was at a loss for words. I just kept looking at her. Zeenat Aman is a very gracious and sweet person. Despite being one of the biggest stars of her generation, Pallavi said that Zeenat Aman was very friendly, polite, and easy to talk to. She was very gracious. If you went up to her and asked for a photo, she would immediately say, "Yes, of course, come." She was a very nice, gracious, and lovely person to work with. Decades after their first meeting, Pallavi recently worked with Zeenat Aman in the series "The Margao Files."